बेग़मपुरा
सभ्यता का आह्वान
साहित्य का आंदोलन-आंदोलन का साहित्य
वर्ष 1 | अंक 4 | नवंबर-दिसंबर 2025 | दिल्ली

परामर्श मंडल

मा. बुद्धशरण हंस, मा. द्वारका भारती, मा. कर्मशील भारती, डॉ. कुसुम वियोगी, मा. विपिन बिहारी

पूर्व समीक्षक

प्रो. (डॉ.) नीलम, लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

प्रो. (डॉ.) गोरख निळोबा बनसोडे (शोध निदेशक), हिंदी विभाग सरदार बाबासाहेब माने महाविद्यालय, सातारा, संबद्ध- शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र।

डॉ. प्रभाकर निसर्गंध, एसोसिएट प्रोफेसर, श्रीविजय सिंह यादव कॉलेज, पेठ गांव, कोल्हापुर सबंद्ध -शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र।

डॉ. देवी प्रसाद (आचार्य), सेठ नन्दकिशोर पटवारी राजकीय महाविद्यालय, नीम का थाना, संबद्ध -पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर, राजस्थान।

प्रो. (डॉ.) सनोज कुमार, श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

संपादक मंडल

डॉ. नीलिमा बागड़े, डॉ. श्यामसुंदर मिरजकर, डॉ. हरे राम सिंह, डॉ. पूरन सिंह

☎9407352073 ☎9421212352 ☎8544034280 ☎9868846388

प्रधान संपादक

दयाराम ☎9368125292

कार्यकारी संपादक

शीलबोधि ☎9971566918

सहायक कार्यकारी संपादक

डॉ. सरिता ☎9999039617 | मा. राजेंद्र प्रसाद ☎9268798084

प्रकाशन प्रबंधन : इंडियन नेशनल लिटरेचर कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली

(मूलनिवासी सभ्यता संघ का उपक्रम)

संपादकीय कार्यालय

527-ए, निकट आंबेडकर पार्क, नेहरू कुटिया, कबीर बस्ती, मल्कागंज, दिल्ली-110007

सहयोग राशि रु. 160 वार्षिक

शब्द संयोजन-सुनील कुमार बौद्ध | **आवरण**-महेश कुमार पासवान

'बेग़मपुरा: सभ्यता का आह्वान' में प्रकाशन संबंधी निर्णय संपादक मंडल द्वारा सामूहिक रूप से लिए जाते हैं, प्रकाशित लेखकों के विचार उनके अपने हैं, जिनसे संपादक मंडल की सहमति होना अनिवार्य नहीं है, संपादक मंडल को प्रकाशित होने वाली सामग्री में संशोधन या परिवर्तन करने का अधिकार होगा, 'बेग़मपुरा: सभ्यता का आह्वान' से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। अंक में प्रकाशित सामग्री के पुनर्प्रकाशन के लिए लिखित अनुमति अनिवार्य है।

'बेग़मपुरा: सभ्यता का आह्वान' मूलनिवासी सभ्यता संघ के लिए मू. सुनील कुमार द्वारा ई पत्रिका के रूप में प्रकाशित करते हुए इंडियन नेशनल लिटरेचर कॉन्फ्रेंस की वेबसाइट पर जारी, संपादक **शीलबोधि**

बेगमपुरा
सभ्यता का आह्वान
साहित्य का आंदोलन-आंदोलन का साहित्य
वर्ष 1 | अंक 4 | नवंबर-दिसंबर 2025 | दिल्ली

संपादकीय

बेगमपुरा : पराधीनता पाप है जान लियो रे मीत... -**शीलबोधि**➧3

ऐसा चाहू राज मैं–**दयाराम**, प्रधान संपादक➧3

गौरतलब

लुप्त दुनिया का राज : अविद्या के विरुद्ध संघर्ष का सफर

सर जॉन ह्यूबर्ट मार्शल ➧11

सीधा संवाद

संत रैदास:सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

डॉ. एन. सिंह➧17

नवयान क्या है?

डॉ. रत्नेश कातुलकर➧26

काव्य संगीति

श्याम निर्मोही की ग़ज़लें➧32

डॉ. राजवीर सिंह 'कमल' की कविताएं➧34

कथा-कहानी मंच

मौन

प्रो. तारु एस पवार➧36

नचनी काकी

डॉ. पहलाद चंद्र दास➧41

नदी किनारे

चितरंजन भारती➧48?

इसका बाप नट था

मदन लाल राज➧53

सृजन से संवाद

तेजपाल सिंह 'तेज' का साहित्य : आर्थिक सरोकारों का दर्शन

डॉ. देवी प्रसाद वर्मा➧55

राजेन्द्र पाल की कविता : सामाजिक यथार्थ और प्रतिरोध की चेतना

डॉ. नरेंद्र वाल्मीकि➧62